The Electrical Inspector's report has been received. His finding is that there were no defects in the wiring or other installations of quarter No. E 332 and the adjoining quarters. The post-mortem report which has also been received states that there was no evidence of electric burns on the body. The post mortem examination could not definitely establish the cause of death. A reference has been made to the Chemical Examiner whose report is awaited. A final conclusion as to the cause of the death will be reached after the report has been received.

Constitution House

*642. **Shri Hari Vishnu Kamath:** Will the Minister of **Works, Housing and Rehabilitation** be pleased to refer to the reply given to Short Notice Question No. 18 on the 7th May, 1963 and state:

(a) whether a decision has been taken to demolish Constitution House;

(b) if so, when the work of demolition is scheduled to commence;

(c) whether Constitution House is proposed to be demolished completely or only in part; and

(d) whether in view of the need for avoidance of waste during the emergency, Government propose to defer demolition of Constitution House till after the revocation of the proclamation of Emergency?

The Minister of Works, Housing and Rehabilitation (Shri Mehr Chand Khanna): (a) to (c). It has been decided to demolish all the temporary structures in the area known as Constitution House and the demolition is scheduled to begin early in October, 1963

(d) No. The temporary structures of Constitution House were built more than 20 years ago and are being maintained at heavy cost. Their continuance is uneconomical and to some extent dangerous. Because of high land prices and greater need for accommodation, it is necesary to develop the area more intensively. It is therefore proposed to put up a multi-storeyed hostel on the site as quickly as possible.

Tungabhadra Project

*643. **Shri Sivamurthi Swamy:** Will the Minister of **Irrigation and Power** be pleased to state:

(a) whether any proposal has been sent by the State Government of Mysore to pump the water from Tungabhadra Project reservoir to the dried up tanks and kuntas in the surrounding vilages and towns for irrigation and drinking purposes;

(b) if so, the number of schemes already sanctioned so as to pump the water to save the dying crops of paddy and sugarcane around the reservoir; and

(c) the quantity of water allowed for lift irrigation schemes in the high level border villages as per agreement?

The Minister of Irrigation and Power (Dr. K. L. Rao): (a) No proposals have been received.

(b) and (c). Do not arise.

अमरीका से ऋण

६४४. { श्री यशपाल सिंह :
श्री सुबोध हंसदा :
श्री कोल्ला वेंकैया :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि २१ मई, १९६३ को अमरीका सरकार ने भारत को तीन ऋण देने की घोषणा की थी ; और

(ख) यदि हां, तो उसकी मुख्य बातें क्या हैं ?

वित्त मंत्रालय में उपमंत्री (श्रीमती तारकेश्वर सिन्हा) : (क) और (ख). भारत-स्थित अमरीकी राजदूत ने २१ मई १९६३ को घोषणा की कि अमरीकी अधिकारी नीचे लिखे तीन ऋण दे रही हैं :—

(१) रामगुण्डम के तापीय बिजली घर (थर्मल पावर स्टेशन) पर रुपये के रूप में खर्च कराने के लिए पी० एल० ४८० प्रतिरूप निधि (काउण्टर पार्ट फण्ड) से ३.७ करोड़ रुपये का रुपया-ऋण ;

(२) झरिया के कोयला क्षेत्र की रज्जु-मार्ग-प्रयोजना (रोपवे प्रोजेक्ट) के विदेशी मुद्रा व्यय के लिए ७७ लाख डालर का डालर-ऋण ;

(३) दुगड़ा के कोयला साफ करने के कारखाने के दूसरे दौर के विदेशी मुद्रा व्यय के लिए ५१ लाख डालर का डालर-ऋण ।

ऋण-सम्बन्धी करारों पर अभी हस्ताक्षर नहीं हुए हैं । पर अनुमान है कि शर्तें नीचे लिखे अनुसार होंगी :—

(१) रामगुण्डम के लिए रुपया ऋण

यह ऋण ४० वर्षों में चुकाया जायेगा जिसमें ४ वर्ष की वह अवधि भी शामिल है जिसमें कोई अदायगी नहीं की जायगी । इस ऋण पर ४ प्रतिशत की दर से ब्याज दिया जायेगा ।

(ii) अनुमान है कि डालर ऋण भी ४० वर्षों में चुकायें जायेंगे । इस अवधि में १० वर्ष का वह समय भी शामिल है जिसमें कोई अदायगी नहीं करनी पड़ेगी । इन ऋणों पर ब्याज नहीं लिया जायेगा, पर हर साल ¾ प्रतिशत की दर से ऋण-शुल्क लगेगा ।

२. प्रायोजनाओं के अनुसार इन ऋणों की मुख्य बातें नीचे दी गयी हैं :—

राम गुण्डम बिजली घर की वर्तमान स्थापित क्षमता (इन्सटाल्ड केपसिटी) ३७.५ मेगावाट है । ८४ लाख डालर के डालर ऋण और ३.७ करोड़ रुपय के रुपया-ऋण से बिजली घर में ६०./६२.५ मेगावाट का टर्बो-जनरेटर और उसके साथ एक सहायक बायलर लगाकर तथा दूसरी सुविधाओं की व्यवस्था करके उसका विस्तार किया जायेगा । इससे तेलंगाना क्षेत्र में उद्योगों का और भी विस्तार हो सकेगा ।

झरिया की कोयला खानों में रज्जुमार्ग (रोपवे) प्रायोजना से कुल २५ मील की दूरी में हर साल ३० लाख टन रेत ढोया जायेगा । कोयला खानों में यह रेत खाली जगहों में भरी जायगी ताकि वह खम्बों का काम दे सकें । इस प्रायोजना से हर साल लगभग १५ लाख टन ज्यादा कोयला प्राप्त हो सकेगा ।

दुगड़ा के कोयला साफ करने के कारखाने में पहले दौर में, हर साल २४ लाख टन कोयला साफ किया जा रहा है और २१ मई १९६३ को जिस डालर ऋण की घोषणा की गई है उससे कारखाने के दूसरे दौर का काम पूरा किया जायेगा । अनुमान है कि दूसरे दौर में कारखाने की क्षमता ४८ लाख टन यानी दुगनी हो जायेगी । इस कोयले में ३३ प्रतिशत से ज्यादा राख पैदा करने वाली स्लेट होती है । इस्पात मिलों को ऐसा कोयला चाहिए जिसमें १७ प्रतिशत से ज्यादा राख न हो । कोयले को कूटने और साफ करने की प्रक्रिया के द्वारा कोयला साफ करने का यह कारखाना इस्पात मिलों को ऐसा ईंधन मुहैया करता है जो उन्हें मंजूर होता है ।

Small'pox in Delhi

*645. **Shri D. C. Sharma:**
Shri Naval Prabhakar:
Shri P. C. Borooah:
Shri D. D. Puri:

Will the Minister of **Health** be pleased to state:

(a) whether the number of small-pox cases in Delhi is on the increase;